U.G. 6th Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[HONOURS]

Course Code : SANS-H-CC-T-13

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions in Sanskrit Language with Devanāgarī Script : 2×10=20

निम्नोक्तेषु **दश** प्रश्नान् सुरगिरा देवनागरीलिप्या च समाधेहि :

क) आस्तिकशब्दस्य कोऽर्थ:? कानि तावद् आस्तिकदर्शनानि?

ख) को नाम वस्तुवाद:? भारतीयदर्शने क: वस्तुवादी?

ग) भारतीयदर्शने के तावत् परिणामवादिन: के च विवर्तवादिन:?

घ) को भवति स्वभाववाद:? के तावत् स्वभाववादिन:?

ङ) को नाम अनेकान्तवाद:? केन दार्शनिकसम्प्रदायेन अनेकान्तवाद: स्वीकृत:?

च) तर्कसंग्रहानुसारं पदार्था: कतिविधा:? के च ते?

छ) कारणकरणयो: भेदद्वयं लेखनीयम्।

ज) अभाव: कतिविध:? के च ते?

झ) भारतीयदर्शने के तावत् पीलुपाकवादिन:? के च पिठरपाकवादिन:?

ञ) तर्कसंग्रहानुसारेण गुणपदार्थ: कतिविध:? द्रवत्वस्य लक्षणं लेखनीयम्।

ट) बुद्धे: लक्षणं प्रदेयम्। बुद्धि: कुत्र वर्तते?

ठ) परामर्शस्य लक्षणं प्रदेयम्। को नाम पक्षधर्मता?

ड) विशेषस्य लक्षणं प्रदेयम्। विशेष: कुत्र वर्तते?

ढ) को नाम हेत्वाभास:? उदाहरणमेकं प्रदेयम्।

ण) शब्दप्रमाणस्य लक्षणं प्रदेयम्। आप्तशब्दस्य कोऽर्थ:?

2. Answer any **four** of the following questions : 5×4=20

अधोधृतेषु प्रश्नेषु यथेच्छं **चत्वार:** समाधेया: :

क) तर्कसंग्रहानुसारं समवायस्वरूपं लिखत। समवायाङ्गीकारे का युक्ति:?

ख) आश्रयासिद्धहेत्वाभासस्य स्वरूपं सोदाहरणं सविस्तरं स्फुटीकरणीयम्।

ग) किं नाम सामान्यम्? सामान्यं नित्यमनित्यं वेति उपस्थापनीयम्।

घ) टीका लेख्या— विवर्तवाद:।

ङ) व्याख्या कार्या — संस्कारमाश्रचनं ज्ञानं स्मृति:।

च) हेत्वाभास: निरूपणीय: (वाक्य**द्वयस्य**)

i) पर्वतो वह्निमान् प्रमेयत्वात्।

ii) शब्दो नित्य: शब्दत्वात्।

iii) गगनारविन्दं सुरभि अरविन्दत्वात्।

3. Answer any **two** of the following questions. One must be written in Sanskrit Language in Devanāgarī Script : 10×2=20

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्न**द्वयमु**त्तरत तयोरेकमवश्यं संस्कृतेन देवनागरीलिप्या च लेख्यम् :

क) भारतीयदर्शनमनुसृत्य असत्कार्यवाद: आलोचनीय:।

ख) तर्कसंग्रहानुसारं विभागपुर:सरं कारणलक्षणं व्याख्याय अन्यथासिद्धिस्वरूपं स्फुटीकुरुत।

ग) तर्कसंग्रहानुसारं क: भवति अनुभव:? यथार्थानुभावस्य स्वरूपं सोदाहरणं समासेन प्रदेयम्। यथार्थायथार्थानुभवयो: प्रभेद: प्रदर्शनीय:।

घ) तर्कसंग्रहानुसारं प्रत्यक्षप्रमाणस्य लक्षणमुल्लिख्य प्रतिपदव्यावृत्तिपूर्वकं वैशद्येन व्याख्येयम्।

———————